भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 1694**
उत्तर देने की तारीख 10 मार्च, 2025
19 फाल्गुन, 1946 (शक)

## जमीनी-स्तर के लिए खेल विकास का बजट बढ़ाना

**†1694. श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रही:**

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वित्तीय वर्ष में खेल अवसंरचना और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए कुल कितना बजट आबंटन किया गया है;

(ख) क्या खेल विकास के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता के अनुरूप विगत पांच वर्षों के दौरान बजट में काफी वृद्धि की गई है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) चालू वर्ष और विगत पांच वर्षों के दौरान खेलो इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदान की गई निधि का ब्यौरा क्या है और क्या इसका जमीनी स्तर पर युवा एथलीटों की भागीदारी और विकास पर किस प्रकार सकारात्मक प्रभाव पड़ा है;

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान ओलम्पिक सहित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं के लिए एथलीटों के प्रशिक्षण हेतु आबंटित वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है और क्या वैश्विक प्रतिस्पर्धाओं के लिए एथलीटों की तैयारी सुनिश्चित करने के लिए इस सहायता में वृद्धि की गई है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या सरकार ने विगत पांच वर्षों के दौरान उक्त विकास के लिए बजट में वृद्धि की है और ऐसी पहलों से मजबूत खेल संस्कृति और राष्ट्रीय उपलब्धियों को बढ़ावा मिला है; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री**
**(डॉ. मनसुख मांडविया)**

(क) से (छ) : 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण खेल अवसंरचनाओं के विकास सहित खेलों के विकास तथा ओलंपिक सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए एथलीटों के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी मुख्य रूप से राज्य/ संघ राज्यक्षेत्रों की सरकारों की है। केंद्र सरकार केवल महत्वपूर्ण कमियों को दूरकर उनके प्रयासों में सहायता करती है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय देश भर में खेलों के विकास के लिए निम्नलिखित स्कीमें लागू करता है:

(i) खेलो इंडिया- राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम; (ii) राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता; (iii) अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के विजेताओं और उनके कोचों को नकद पुरस्कार; (iv) राष्ट्रीय खेल पुरस्कार; (v) मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन; (vi) खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खेल कल्याण कार्यक्रम ; (vii) राष्ट्रीय खेल विकास निधि; और (viii)भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन।

उपरोक्त स्कीमों का विवरण इस मंत्रालय (https://yas.nic.in) और भारतीय खेल प्राधिकरण (https://sportsauthorityofindia.nic.in) की वेबसाइटों पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

इस मंत्रालय में धनराशि का आबंटन स्कीम-वार होता है न की घटक-वार। खेल विभाग की विभिन्न खेल विकास स्कीमों के अंतर्गत चालू वित्त वर्ष में खेल अवसंरचना और प्रशिक्षण कार्यक्रमों सहित 3332.50 करोड़ रुपये की धनराशि आबंटित की गई है।

इस मंत्रालय द्वारा पिछले पांच वर्ष के दौरान विभिन्न खेल प्रोत्साहन स्कीमों के अंतर्गत आबंटित धनराशि और व्यय का विवरण निम्नानुसार है:

**(करोड़ रु.)**

| **क्र. सं** | **वित्तीय वर्ष** | **आबंटित धनराशि** | **व्यय की गई धनराशि** |
|---|---|---|---|
| 1. | 2019-20 | 2000.00 | 1989.39 |
| 2. | 2020-21 | 1313.40 | 1304.12 |
| 3. | 2021-22 | 1993.00 | 1748.76 |
| 4. | 2022-23 | 1907.69 | 1879.99 |
| 5. | 2023-24 | 2380.86 | 2329.35 |

इसके अलावा, पिछले पांच वर्ष और चालू वर्ष के दौरान खेलो इंडिया स्कीम के तहत आबंटित धनराशि और किए गए व्यय का विवरण निम्नानुसार है:

**(करोड़ रु.)**

| **क्र. सं.** | **वित्तीय वर्ष** | **आबंटित धनराशि** | **व्यय की गई धनराशि (28.02.2025 तक)** |
|---|---|---|---|
| **1.** | 2019-20 | 578.00 | 575.52 |
| **2.** | 2020-21 | 328.77 | 338.06 |
| **3.** | 2021-22 | 869.00 | 764.29 |
| **4.** | 2022-23 | 600.00 | 596.39 |
| **5.** | 2023-24 | 880.00 | 872.20 |
| **6.** | 2024-25 | 800.00 | 738.98 |

उपर्युक्त के मद्देनजर, देश में खेलों के विकास के लिए केंद्र सरकार के बजट में पिछले पाँच वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके कारण, ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और

पैरालिंपिक जैसी स्पर्धाओं में पदकों की संख्या में वृद्धि होने से अंतर्राष्ट्रीय खेलों में भारत की उपलब्धियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत ने छह पदक अर्जित किए, जबकि पैरालिंपिक 2024 में रिकॉर्ड तोड़ 29 पदक जीते। भारतीय एथलीटों ने भाला फेंक, निशानेबाजी, कुश्ती और बैडमिंटन जैसे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। खेलो इंडिया और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) जैसी पहल युवा प्रतिभाओं को निखारने और बेहतरीन प्रशिक्षण सुविधाएँ प्रदान करने में सहायक रही हैं। इन उपलब्धियों से भारत की वैश्विक खेल प्रतिष्ठा बढ़ी है, एथलीटों की बेंच संख्या बढ़ी है और देश के युवाओं में उत्कृष्टता की संस्कृति को प्रेरणा मिली है।

****